5-5-2001

बाप को अपना अविनाशी कम्पेनियन और कम्पनी बनाओ

आज बापदादा को काल आफ टाइम ग्रुप की याद दी और समाचार सुनाया। बापदादा ने बड़े स्नेह स्वरूप से मीठा मुस्कराते हुए बोला - इन बच्चों में भी उमंग-उत्साह अच्छा है कि विश्व की आत्माओं को स्व परिवर्तन द्वारा शान्ति, शक्ति की प्राप्ति हो।

देखो बच्ची, बच्चों ने समय की पुकार सुनी। बाप ने फिर इन लवली बच्चों के दिल का आवाज सुना। बाबा ओ मीठे बाबा मर्सीफुल बाबा, मेरे बाबा। अब बच्चे भी जानते जाते हैं कि बाबा कौन है, क्या है इसलिए बापदादा भी दिल की याद-प्यार दे रहे हैं। बाप कहते बच्चे, सदा अपने बच्चे के सम्बन्ध से अधिकारी बन पूरा अधिकार लेते रहो। बस बाप को अपना अविनाशी कम्पेनियन बनाओ और हर हाल में अपना सहारा और सहयोग देने वाली कम्पनी है, इस अनुभव से सहज आगे बढ़ते चलो। बाप के याद की गोदी वा छत्रछाया में सदा सेफ रहो। कोई भी समस्या, परिस्थिति आवे सिर्फ दिल से याद करो ओ मेरे मीठे बाबा तो अनुभव करेंगे बापदादा मेरे साथी बन साथ हैं और सफलता सामने अनुभव होगी क्योंकि मास्टर सर्वशक्तिवान बच्चों की सफलता जन्म सिद्ध अधिकार है।

ऐसे कहते बापदादा ने विशेष सर्व लण्डन निवासी बच्चों को सेवा में साथी बनने वाले बच्चों को नाम सहित याद दी और साथ में दादी जानकी को बहुत प्यार किया कि बच्ची अपने रथ के रहस्य को जान शक्तिवान रथवान बन आगे बढ़ रही है और आगे भी सूली से कांटा बनता जायेगा। उड़ती, उड़ाती रहेगी। साथ में अपनी मीठी दादी को भी याद किया कि बाप के मीठे स्नेह के साथ के अलौकिक झूले में झूलते शरीर को और सेवा को बहुत आगे बढ़ाती रहती है। दोनों दादियों का उमंग-उत्साह सबको उड़ा रहा है, मैं तो साक्षी हो मुस्करा रही थी।